भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 1092

गुरूवार, 10 फरवरी, 2022/21 माघ, 1943 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

देश में ईको-पर्यटन की स्थिति

1092. श्री कामाख्या प्रसाद तासाः

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले दो वर्षों में ईको-पर्यटन के विकास/संवर्धन के लिए आवंटित/जारी की गई केन्द्रीय निधि की धनराशि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले दो वर्षों में परिस्थितिकीय रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में ईको-पर्यटन से संबंधित संभावित नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए कौन-कौन से यथोचित उपाय किये गए;

(ग) क्या ईको-पर्यटन के कारण घरेलू पर्यटन में पिछले दो वर्षों में स्पष्ट अंतर आया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) पर्यटन मंत्रालय ने देश में ईको पर्यटन के संवर्द्धन के लिए स्वदेश दर्शन योजना के तहत विकास हेतु ईको परिपथ को पंद्रह थीमैटिक परिपथों में से एक के रूप में अभिज्ञात किया है। पर्यटन मंत्रालय ने 'स्वदेश दर्शन' योजना में ईको थीम के तहत 06 परियोजनाओं को मंजूरी दी है और जिनका विवरण **अनुबंध** में दिया गया है ।

मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) और भारतीय जिम्मेदार पर्यटन सोसायटी (आरटीएसओआई) के साथ दिनांक 27 सितंबर, 2021 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसका उद्देश्य एक दूसरे के पर्यटन क्षेत्र में 'स्थिरता पहलें' को बढ़ावा देना और सक्रियता से संवर्धन के उपाय करना तथा जहां भी संभव हो एक सहयोगात्मक तरीके से कार्य करना है।

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने जानकारी दी है कि उन्होंने वन और वन्यजीव क्षेत्रों में सतत इको पर्यटन के लिए दिशानिर्देश-2021 जारी किए हैं। दिशा-निर्देशों में इको पर्यटन योजना तैयार करने का प्रावधान है जिसमें इको पर्यटन स्थल का वहन क्षमता विश्लेषण आधारित विवरण शामिल है। दिशानिर्देशों में संबंधित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा इको पर्यटन स्थलों की नियमित निगरानी का भी प्रावधान है ।

पर्यटन मंत्रालय ने पिछले दो वर्षों में इको-पर्यटन से घरेलू पर्यटन में हुए किसी उल्लेखनीय परिवर्तन का आकलन करने के लिए कोई औपचारिक अध्ययन नहीं करवाया है ।

*****

अनुबंध

देश में ईको-पर्यटन की स्थिति के संबंध में दिनांक 10.02.2022 के राज्य सभा लिखित प्रश्न सं. 1092 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में **विवरण**

स्वदेश दर्शन योजना की ईको- परिपथ थीम के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**राज्य का नाम**	**परिपथ का वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	निर्मुक्त **राशि**
1.	उत्तराखंड	2015-16	टिहरी झील के चारों ओर टिहरी – चम्बा - सरैन परिपथ का विकास	69.17	65.71
2.	तेलंगाना	2015-16	मेहबूबनगर जिले (सोमसिला, सिंगटम, कडालईवनम, अक्कामहादेवी, इगलनपंटा, फराहाबाद, उमा महेश्वरम, मल्लेलातीर्थम) में परिपथ का विकास	91.62	87.04
3.	केरल	2015-16	पथनमथिट्टा – गावी – वगमोन – थिक्केडी का विकास	76.55	61.24
4.	मिजोरम	2016-17	आईजवल – रॉपुइछिप-खॉहपॉप- लेंगपुई – दुर्तलांग – चटलांग – सकावर्हमुईतुईतलांग – मुथी – बेरतलवांग – तुईरियाल एयरफिल्ड् – हमुईफांग में ईको-एडवेंचर परिपथ का विकास	66.37	49.53
5.	मध्य प्रदेश	2017-18	गांधीसागर बांध – मंडलेश्वर बांध – ओंकारेश्वर बांध – इंदिरा सागर बांध – तवा बांध – बारगी बांध - भेडाघाट – बानसागर बांध – केन नदी का विकास	94.61	79.70
6.	झारखंड	2018-19	डालमा – चांडिल – गेतलसुद – बेतला नेशनल पार्क – मिर्चैया – नेतरहाट का विकास	52.72	15.07
			कुल	**451.04**	**358.29**

*****